➢ परियोजना और प्रस्तावक का परिचय

पर्यावरण एवं वन मंत्रालया के दिनांक 14 दिसंबर 2006 के नयी दिल्ली गजेट और उसके संशोधन के अनुसार, प्रस्तावित खनन श्रेणी 'बी' मे रखा गया है । खनन छेत्र की 10 की मी की सीमा के भीतर पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र मौजूद नहीं है।

परियोजना का प्रस्ताव श्री प्रवीन सिंग राणा दावर किया जा रहा है। खनन पट्टा वाइड लेटर नो. 2518/VII-II/108खा/2008 दिनांकित 09-08-2010 श्री प्रवीन सिंग राणा के पक्ष में सोपस्टोन के उत्पादन के लिए प्रदान किया गया था। प्रस्तवक ने 10.407 हेक्टेर छेत्र पर खनन पट्टे के लिए आवेदन किया है।

एलओआई की वैधता क्रमश: दिनांकित 8/9/2010, 18/01/2013 और 18/03/2014 चीफ एडमिनिस्ट्रेशन उत्तराखंड प्रशासन द्वारा बढ़ा दिया गया है। प्रस्तावक ने एलओआई नवीकरण के लिए आवेदन किया है जो के राज्य सरकार के पास लंबित है ।

प्रस्तावित खनन परियोजना श्रेणी बी परियोजना के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि SEIAA, उत्तराखंड के अभाव में इस प्रस्ताव को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय MoEF (अब पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और सीसी MoEF & CC) ईएसी (EAC) दावर विचार किया गया है। SEIAA / SEAC उत्तराखंड के पुनर्गठन के बाद मामला पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से SEAC उत्तराखंड को स्थानांतरित कर दिया गया है।

पट्टा क्षेत्र की कुल 10.407 हेक्टेयर में से 6.250 हेक्टेयर भारतीय वन अधिनियम 1878 अधिसूचना कोई 869 एफ / 638 दिनांकित 17/10/1893 के अनुसार वन भूमि के रूप में वर्गीकृत किया गया था। । हालांकि बाद में अधिसूचना 866 / एक्स-3-2011 / 8 (21) / 2010 दिनांकित 28/09/2011 द्वारा इस संभावना से इनकार किया गया था।

प्रस्ताव प्रति वर्ष लगभग 6,017 टन के खनन का है । परियोजना की अनुमानित लागत 25 लाख रुपय है।

प्रस्तावित खनन पट्टा छेत्र भारतीया सर्वेक्षण के स्थलंकृतिक अंकित 53N/7 के अंतर्गत आता है। पट्टा

क्षेत्र उत्तराखंड के जिला चमोली, ग्राम गड़ मे स्थित है।

- **खनन**

यह एक ओपेनकॅस्ट खनन परियोजना है। कार्य मैन्युअल तरीके से होगा, ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की आवश्यकता नहीं है। खनन कार्य भूजल के उपर तक ही सीमित रखा जाएगा। खनन केवल दिन के समय किया जाएगा और मानसून के दौरान पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा ।

- **परियोजना की मुख्य विशेषताएं**

संख्या न.	मापदंड	विवरण
1.	प्रॉजेक्ट का नाम	माइनिंग ऑफ सोपस्टोन नियर विलेज गड़
2.	उत्पादन क्षमता	6,017 टन
3.	अक्षांश देशांतर	30°20'53.18"N to 30°20'57.27"N 79°28'38.51"E to 79°28'44.97"E
4.	खनन की विधि	मैन्युअल
5.	खनन क्षेत्र	10.407 हेक्टेयर
6.	बेंच स्लोप	45°
7.	आवरेज सोइल थिकनेस	1.5 मी
8.	ट्रांसपोर्टेशन	मिनरल 40 किलो प्लास्टिक की थैलियों में भर खच्चरो द्वारा पक्की सड़क के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग 58 के लिए ले जाया जाएगा जहां खनिज ट्रकों में लोड किया जाएगा ।
9.	श्रमशक्ति	57
10.	पानी की आवश्यकता	14 के एल डी
11.	जल का स्रोत	पीने और वृक्षारोपण के लिए पानी स्वजल भारत सरकार की योजना Swajal धारा के तहत प्राकृतिक स्रोतो से प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित है ।
12.	अपशिष्ट उत्पादन	17880 टन

- ## **लंग और लासटंग**

लंग और लासटंग नह कर जाएगी ।

- ## **भू उपयोग पॅटन**

मांक स.	भूम उपयोग	वतमान भूम (हेटेर मे)	5 वष के अंत मे (हेटेर मे)	पटे के समात अवध (हेटेर मे)
1	गढ़े और खदान	0.091	0.63	5.53
2	अपशट ढेर	--	0.049	--
3	मट के ढेर	--	0.022	--
4	बैकफलड़ गढे	--	--	--
5	बनाए रखने / पैर क अंगुल दवार	--	0.014	0.042
6	फुट क	0.034	0.024	0.11
7	कायालय बाक घर आद	--	0.010	--
8	अबाधत े	10.282	9.658	4.725
	कुल	**65.197**	**65.197**	**65.197**

पयावरण का ववरण

वषाऋतु के बाद अतूबर 2014 से दसंबर 2014 तक खदानो के आस पास 10 कमी यास के यारे मे आधारभूत पारयावरणीय गुणवा आँकगयी है ।

- ## **बेसलाइन आँकड़े**

□□तावित खनन के □□त वायु, □व□न, जल, मृदा प□र□थी□क□ और जैयव□व□वधता के पयावरणीय आँकड़□ का सं□ह करा गया है ।

- ## **वायु गुणव□ा**

प□रवेश वायु गुणव□ा □तर के आंकलन हेतुगुणव□ा क□ □नगरानी के□□ा बनाए गये थे। प□रवेश वायु क□ गुणव□ा क□ □नगरानी 12 सा□ताह तक 24 घंटे क□ आवृ□त पर सा□ताह मे दो बार क□ गयी। प□रणामो का व□लेषण जब □रहयशी एवं औ□धयो□गक छे□ा के □लए सीपीसीबी दवारा जार□ रा□□या प□रवेश वायु गुणव□ा मानदंड (एनाए) के आधार पर □कया गया तो प□रणाम उ□चत □कार से □नधा□रत सीमा के भीतर थे। अ□ययन छे□ा मे पीएम10 का अ□धकतम एवं □यूनतम □तर 63.8µg/m3 से 84.2µg/m3 के बीच दज□□कया गया है। पीएम2.5 का अ□धकतम एवं□यूनतम 26.8µg/m3 से 42.3µg/m3 के बीच दज□□कया गया। स□फर डाइया□साइड का अ□धकतम एवेम □यूनतम □तर बी डी एल 7.2µg/m3 के बीच दज□ □कया गया. एवं नाइ□ोजन ऑ□साइड का अ□धकतमईवन □यूनतम □तर 9.1µg/m3 से 19.0 µg/m3 दज□ करा गया ।

- ## **शोर का □तर**

इलाक़े के कुछ □थलो पर शोर क□ ती□ता □ाथ□मक □प से वाहन प□रच□न एवं अ□या माँव ज□नत ग□त□व□धयो के कारण है। अ□ययन छे□ा मे एलएन का □□त घंटे मापन 48.3 से 50.2 □डबी (ए) के बीच रहा। एवं □दन मे एलएन का □□त घंटे मापन 37.2 से 41.6 के बीच रहा ।

- ## **जल□य गुणव□ा**

जल गुणव□ा के आंकलन हेतु 4 □नगरानी के□□ा बनाए गये। भूजल के सभी □व□ले□षत स□पल वैक□पक □ोत के ना ह□ने पर पीने यो□य माने जा सकते है। सतह□ जल क□ गुणव□ा हेतु पीएच, □डयो, बीओडी और □लोर□फोम□स क□ तुलना क□□या □दूषण □नयं□ण बोड□□वारा □□त सतह□ जल का उपयोग आधा□रत वग□करण से क□ गयी।

- ## **□म□ट□ क□ गुणव□ा**

□म□ट□ के नमूने 2014 के अ□तूबर मह□ने मे ६ □थानो से एक□ करे गये। अ□यान छे□ा मे □म□ट□ के पीएच मे □भ□नता पाई गयी। □म□ट□ का पीएच दशा□ता है क□ □म□ट□ □कृ□त मे थोड़ी □ार□य 6.89 से 7.87 है। इसी के दावर □म□ट□ क□ लवणता एवं आयन संबंधी ग□त□व□धया मापी जाती है। एक□□त □म□ट□ के नमुनो मे संवा□ह□नयता 190-246 µmhos / सीएम के बीच रह□।

➢ □□या□शत पयावरणीय □भाव

➢ हवा पर □भाव

रएबाज़ार □स□लका रेत और चीनी □म□ट□ खदान खुल□ खदान यं□ीकृत □व□ध □वारा □कया जाएगा। मु□य वायु □दूषण ह□ल□ंग आपरेशन, और ख□नज क□ ढुलाई के □वारा उ□प□न होगी। स□फर डाइऑ□साइड, नाइ□ोजन के आ□साइड का उ□सजन, डीजल संचा□लत उपकरण और सड़क□ पर चलने वाल□ वाहन□ □वारा होगा जो क□ सीमा के भीतर होगा ।

➢ **पानी पर □भाव**

➢ **सतह के पानी पर □भाव** - कोई भी सतह□ पानी का □ोत, जैसे क□ न□दयाँ, तलब और बांध खनन प□टा □े□ म□ मौजूद नह□ है। आवे□दत खनन प□टे मे और उसके आस पास या ओबी या अय□क म□ कोई □वषा□त त□व नह□ है । इस□लए □कसी भी □कार के सतह □दूषण क□ उ□मीद नहां□ है।

➢ **भूजल पर □भाव** - सामा□य □प म□ □े□ का भू-जल □तर 9-10 मी जमीन के □तर से नीचे है। खनन कारया भूजल के उपर तक ह□ सी□मत रखा जाएगा; प□टाधृत □े□ म□ खनन ग□त□व□ध से भूजल पर कोई □भाव नहां□ पड़ेगा।

➢ **शोर □भाव** - आसपास क गांव□ मे शोर का □भाव नग□य होगा □यूक□ गाँव खनन प□टे से काफ़□ दूर□ पर □थित ह□। □मुख मशीनर□ क□ कोई □योग खनन □□या मे नहां□ □कया जाएगा, इसीलये शोर का □तर कम रहेगा ।

➢ **भू□म पयावरण पर □भाव** - अपेनकॅ□ट खनन ग□त□व□धयाँ प□टा □े□ के प□र□□य मे और आसपास के □े□□ क□ सतह को बदलने का कारण हो सकती है । इस□लए खनन □े□ वनीकरण के मा□यम से पुनवास □कया जाएगा । कुल खुदाई □े□ क□ 10.407 हे□टेयर से बाहर, 0.07 हे□टेयर ह□रत प□ट□ के तहत □वक□सत □कया जाएगा ।

- **<u>वन और वनस्पति पर प्रभाव</u>**
- **<u>जैव विविधता पर प्रभाव</u>** - अध्ययन क्षेत्र में कोई भी प्रजाति शेड्यूल 1 नहीं है ।
- **<u>कृषि पर प्रभाव</u>** - आस-पास के क्षेत्रों की कृषि गतिविधियों पे खनन का प्रभाव को कम से कम रखने के लिए नियमित रूप से कच्ची सड़कों एवं सक्रिय क्षेत्रों पर पानी का छिड़काव कड़ाई से पालन किया जाएगा ।
- **<u>सामाजिक आर्थिक परिवेश</u>** - क्षेत्र में खनन गतिविधि के प्रभाव क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिवेश पर सकारात्मक है । खनन योजना स्थानीय लोगो को रोज़गार का अवसर प्रदान करेगी. केवल स्थानीय लोगों को काम पर रखा जाएगा ।

<u>पोस्ट प्रॉजेक्ट मॉनिटरिंग प्रोग्राम</u>

संख्या न.	**विवरण**	**आवृत्ति**
1	परिवेश वायु गुणवत्ता	त्रिमाही / अर्धवार्षिक
2	मौसम विज्ञान डेटा	दैनिक
3	शोर स्तर की निगरानी	अर्धवार्षिक
4	जल स्तर एवं गुणवत्ता	त्रैमासिक / अर्धवार्षिक
5	मिट्टी की गुणवत्ता	सालाना
6	कृषि फसलों की निगरानी	सालाना

<u>अतिरिक्त अध्ययन</u>

अतिरिक्त अध्ययन में जोखिम मूल्यांकन एवं आपदा प्रबंधन / खतरा प्रबंधन और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा शामिल हैं।

- **<u>पिरयोजना के लाभ</u>**

ताि वत पिरयोजना लोग के िलए फायदेमंद सािबत होगा यूंिक कंपनी पहले से ह ामीण को बुिनयाद सुिवधाएं जैसे क िश ा सुिवधाएं, िचिक सा सुिवधाएं, पिरवहन सुिवधाओं, पानी क आपूित आिद, जो े के सामाजिक-आिथक वातावरण म सुधार लाएगा दान करने के िलए सहमत हो गया है ।

- **<u>पयावरण बंधन योजना</u>**

- **<u>हवा बंधन</u>**

िन निलिखत उपाय खनन कायके दौरान वायु दूषण को िनयंत करने के िलए जाएगा:

Å सड़क पर व का िछड़काव

Å पटा े म क ची सड़क का िनमाण एवं रख रखाव.

Å ीन बे ट का िवकास / खनन पटे के भीतर धूल िगरतार करने के िलए क ची सक पर और कायालय के चारो तरफ वृ ारोपण

Å खिनज डपर / क म लोड होने से पहले पानी के िछड़काव िकया जाएगा।

- **<u>जल बंधन</u>**

ताि वत पिरयोजना मे कोई भी कार का वे ट वॉटर नह िनकलेगा । ताि वत खनन े म सतह जल दूषण क संभािवत कारण िमट का कटाव हो सकता है और मानसून अविध म खिनज ढेर धोकर साफ़ कर देगा। बरसात के मौसम के दौरान खान म वेश करने क सतह के पानी के िलए एक उपयु त नाल का िनमाण िकया जाएगा. िकसी भी तरीके के िवषैले पदाथ खिनज या ख़ान के आस पास नह पाया गया है. पया त िनयं ण के उपाय को िमट का कटाव और पानी का अिनयंत वाह क जांच करने के िलए अपनाया जाएगा।

- **<u>शोर बंधन</u>**

Å सभी एहितयात शोर ती ता कम करने के िलए ले जाया जाएँगे, और िनयिमत अंतराल शोर का तर सव ण िकया जाएगा ।

- कान संरक्षक या इयरप्लग अधिक शोर क्षेत्र में या मशीनों पर काम कर रहे व्यक्तियों के लिए दिया जाएगा.
- आंतरिक सड़कों और बाधाओं पर प्लांटेशन.

पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट

संख्या न.	**उपाय**	**पूंजी लागत** (रुपये में)	**वार्षिक आवर्ती लागत** (रुपये में)
		प्रस्तावित	**प्रस्तावित**
1	प्रदूषण नियंत्रण	-	1,00,000
2	प्रदूषण की निगरानी	-	1,00,000
3	व्यावसायिक स्वास्थ्य	50,000	10,000
4	हरी पट्टी	1,00,000	2,00,000
5	बाहर खनन क्षेत्र का उद्धार / पुनर्वास	1,50,000	10,000
कुल		3,00,000	4,65,000

निष्कर्ष

ईआईए अध्ययन के आधार पर वहाँ होगा देखा गया है धूल प्रदूषण में नगण्य वृद्धि होगी, यह पानी का छिड़काव और वृक्षारोपण द्वारा नियंत्रित किया जाएगा. खनन गतिविधियों के कारण पर्यावरण और पारिस्थितिकी परिवेश पर नगण्य असर होगा । इसके अलावा खनन कार्यों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा । क्षेत्र के आसपास हरित पट्टी विकास भी एक प्रभावी प्रदूषण शमन तकनीक के रूप में शुरू किया जाएगा । विकास क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इस क्षेत्र के सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा ।

क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा है मौसमी खेती पर ज्यादातर निर्भर है । गांवों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से काफी कम है । यह कंपनी के मुनाफे में वृद्धि होगी और इस क्षेत्र में लोगों की

सामािजक-आथक िथत मसकारामक असर पड़ेगा एवं रोजगार के लए अवसर मवृध होगी । ` मअभी भी श I वाय, आवास, पानी, बजल आद के ` मकमी है, उमीद है क तावत खनन पयोजना और एसोसएटेड औयोगक और यावसायक गतवधय के कारण काफ हद तक सुधार होगा । नगमत सामािजक दायव पर तावत गतवधय और खचसरकार क सीएसआर जनादेश के अनुसार होगा ।

****